हम तो है श्याम प्रेमी, हमें श्याम रंग चढ़ा है, किस बात की फिकर है, जब सांवरा खड़ा है, हम तो हैं श्याम प्रेमी, हमें श्याम रंग चढ़ा है।

तर्ज - बिगड़ी मेरी बना दे।

घट घट की जानता है, वो हारे का सहारा, कर देता वारे न्यारे, बाबा का दिल बड़ा है, किस बात की फिकर है, जब सांवरा खड़ा है, हम तो हैं श्याम प्रेमी, हमें श्याम रंग चढ़ा है

मन में ना छल कपट हो, और श्याम नाम गाएं, उस भक्त की ये खातिर, तूफां से जा लड़ा है, किस बात की फिकर है, जब सांवरा खड़ा है, हम तो हैं श्याम प्रेमी, हमें श्याम रंग चढ़ा है।

'लहरी' जनम जनम का, वो सांवरा सहारा, मेरा तो ये चित श्याम के, चरणों में ही पड़ा है, किस बात की फिकर है, जव सांवरा खड़ा है, हम तो हैं श्याम प्रेमी, हमें श्याम रंग चढ़ा है।

हम तो है श्याम प्रेमी, हमें श्याम रंग चढ़ा है, किस बात की फिकर है, जब सांवरा खड़ा है, हम तो हैं श्याम प्रेमी, हमें श्याम रंग चढ़ा है ।